सांध्य दैनिक 4PM

आपका शरीर भूत में रहता है और आपका मन भविष्य में रहता है। योग में वे दोनों वर्तमान में साथ आ जाते हैं।
–बी. के. एस. आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 72 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 17 अप्रैल, 2026

जीत का खाता खोलना चाहेगी... 7

परिसीमन को लेकर विपक्ष ने उठाई... 3

नारी को नारा बनाने की कोशिश... 2

संसद में नारी वंदन, जमीन पर नारी क्रंदन

महिला आरक्षण बिल पास, हकीकत बेनकाब

- » परिसीमन बिल को विपक्ष ने बताया राजनीतिक नोटबंदी
- » सरकार बिल को नारी शक्ति का प्रतीक बता रही है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और
- » दिल्ली में अधिकारों का जश्न, फिरोजाबाद में आरोपों का तूफान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का विशेष सत्र इतिहास के पन्नों में सदा के लिए इंगित हो गया। इस विशेष सत्र में वैसे तो कई विशेष बिल पास हुए।

लेकिन चर्चा नारी शक्ति वंदन अधिनियम और परिसीमन बिल को रही। दोनों ही बिलों पर अलग-अलग राय सुनी गयी। सरकार ने इसे वक्त की जरूरत बताया तो विपक्ष ने इसे जल्दबाजी में उठाया गया कदम...।

चर्चा में बिल जमीन पर हंगामा

संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर मोहर लगा दी। बिल के समर्थन और विरोध में स्वर गूंज चुके हैं और बिल के पास होने के बाद अब सत्ता के गलियारों में एक ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाने की तैयारी है। लेकिन ठीक इसी वक्त इसी देश में उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से उठी एक आवाज इस जश्न के बीच सवालों की ऐसी गूंज पैदा कर रही है जिसे अनसुना करना आसान नहीं। यह आवाज है एक महिला अधिकारी की एक ऐसी अफसर जो खुद सिस्टम का हिस्सा है लेकिन उसी सिस्टम पर शोषण और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगा रही है।

शक्तिमान नारी, एसडीएम जैसा पद फिर भी कमजोर!

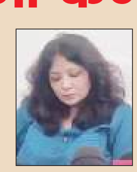

फिरोजाबाद की टूंडला तहसील की महिला तहसीलदार राखी शर्मा ने जिस तरह देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर रमेश रंजन जिलाधिकारी पर आरोप लगाए उसने प्रशासनिक तंत्र की परतें उधेड़ दी हैं। आरोप सिर्फ भ्रष्टाचार का नहीं है बल्कि उस माहौल का है जिसमें एक महिला अधिकारी को काम करने से रोका जाता है दबाव बनाया जाता है और जब वह आवाज उठाती है तो उसे जांच और प्रताड़ना के जाल में फंसा दिया जाता है। सबसे चौंकाने वाला आरोप 1.75 लाख रुपये के आईफोन की कथित रिश्वत का है। आरोप यह कि जांच को खत्म कराने के लिए यह डील हुई। और उससे भी ज्यादा गंभीर बात तहसीलदार का यह कहना कि कुछ ऐसे आरोप भी हैं जिन्हें कैमरे पर बोलना संभव नहीं। यानी जो सामने आया है वह सिर्फ सतह है असली कहानी शायद उससे कहीं ज्यादा गहरी है।

क्या कानून बदलेगा या सिर्फ चुनावी गणित?

परिसीमन बिल से भी विपक्ष आग बबूला सीएम स्टालिन का वार

परिसीमन बिल राजनीतिक नोटबंदी की तरह

परिसीमन बिल को लेकर लोकसभा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे राजनीतिक नोटबंदी करार दिया है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को जल्दबाजी में लागू करना देश के संघीय ढांचे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शशि थरूर ने मशहूर नारा जस्ट डू इट को उलटते हुए कहा कि डॉन्ट डू इट। उन्होंने 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए इसे एक सबक बताया। शशि थरूर ने कहा कि आप परिसीमन को उसी जल्दबाजी में ला रहे हैं जैसे नोटबंदी लाई गई थी। हमने देखा कि उससे कितना नुकसान हुआ। परिसीमन भी राजनीतिक नोटबंदी साबित हो सकता है इसलिए इसे लागू मत कीजिए। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन में तीन बड़े मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है। पहला छोटे और बड़े राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखना। दूसरा उन राज्यों के साथ न्याय करना जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण की नीति का पालन किया। शशि थरूर ने आरोप लगाया कि इस बिल से ऐसा लगता है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में असफलता पाई है उन्हें इनाम दिया जा रहा है जबकि दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय हो रहा है। वहीं डीएम के सांसद कनिमोझी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र में कुछ ही दिनों के भीतर इस बिल को पास कराने की कोशिश साजिश है। संविधान के तहत राज्यों को अपने अधिकार प्राप्त हैं और उन्हें हर फैसले के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार राज्यों के अधिकारों को नजरअंदाज कर रही है और सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित करना चाहती है। उनके मुताबिक यह कदम संघीय ढांचे के खिलाफ है और राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर करता है। परिसीमन को आरक्षण से जोड़ने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के मुद्दों को लेकर न तो गंभीर है और न ही संवेदनशील बल्कि वह 2011 की जनगणना के आंकड़ों को परिसीमन का आधार बनाकर खुद को ही फायदा पहुंचा रही है।

तस्वीर का दूसरा रूख

अब जरा तस्वीर का दूसरा हिस्सा देखिए। दिल्ली में संसद के भीतर महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही है। यह वही बिल है जिसे वर्षों से लंबित बताया जाता रहा, जिसे हर चुनाव में मुद्दा बनाया गया, और अब जब यह पास होने जा रहा है तो इसे ऐतिहासिक कहा जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कानून बनने भर से हालात बदल जाते हैं? जब एक महिला तहसीलदार को ही अपने वरिष्ठ अधिकारी पर शोषण और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने पड़ रहे हों तब यह मान लेना कि संसद में पास हुआ कानून अगले ही दिन महिलाओं की स्थिति बदल देगा यह एक खतरनाक भ्रम भी हो सकता है।

सत्ता के पुनर्संतुलन का खेल

विपक्ष का आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण को एक कवर की तरह इस्तेमाल कर रही है। एक ऐसा कवर जिसके पीछे चुनावी नक्शे को अपने पक्ष में ढालने की तैयारी चल रही है। परिसीमन के बाद नई सीटों की संरचना और उन पर महिला आरक्षण की अनिवार्यता। यह संयोजन भविष्य के चुनावों में किसे फायदा देगा यह सवाल अब खुलकर पूछा जा रहा है। दूसरी तरफ, जाति जनगणना को नजरअंदाज करने का मुद्दा इस बहस को और पेचीदा बना देता है। अगर नई सीमाएं तय होनी हैं तो क्या वह सिर्फ कुल जनसंख्या के आधार पर होंगी या सामाजिक संरचना को भी ध्यान में रखा जाएगा? अगर पिछड़े वर्गों का वास्तविक डेटा ही शामिल नहीं होगा तो क्या यह आरक्षण वास्तव में समावेशी कहा जा सकता है?

कानून से तुरंत अधिकार नहीं बल्कि भविष्य का वादा

आलोचना का एक और तीखा पहलू यह है कि यह कानून तुरंत अधिकार नहीं बल्कि भविष्य का वादा बनकर सामने आता है। यानी, महिलाओं को आरक्षण मिलेगा लेकिन कब यह साफ नहीं। यह अनिश्चितता खुद इस पूरे कदम की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा खतरा यही है कि नारी शक्ति का नैरेटिव कहीं सत्ता शक्ति के खेल में न बदल जाए। अगर आरक्षण का मकसद सिर्फ राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाना है तो उसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए। लेकिन अगर इसे परिसीमन और जनगणना के जाल में फंसाकर टाल दिया जाता है तो यह शक और गहरा होगा कि असली मकसद कुछ और है। यह बहस सिर्फ एक कानून की नहीं है यह उस भरोसे की है जो जनता अपने लोकतंत्र पर करती है। अगर कानून के पीछे की मंशा पर ही सवाल उठने लगें तो सबसे बड़ा नुकसान उसी भरोसे का होता है।

नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही बीजेपी : अखिलेश

» सदन में बोले सपा प्रमुख- महिला आरक्षण के भाजपाई चालबाजी के खिलाफ हैं हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। महिला आरक्षण बिल पर जारी बहस के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास रहा है कि हम लोगों ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ने का काम किया है।

सपा प्रमुख ने कहा कि नारी को नारा बनाने की कोशिश हो रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा उनके मान सम्मान के लिए कैसे रखेंगे। जिस पैरेंटल संगठन से आप निकले हैं उसमें कितनी नारी हैं यह बता दे आप। डॉ राम मनोहर लोहिया ने हमेशा जेंडर जस्टिस और सोशल जस्टिस की बात की है। महिलाओं का आरक्षण 33प्रतिशत हो उसके पक्ष में हम लोग बोल रहे हैं। हम महिला आरक्षण के साथ हैं, लेकिन भाजपाई चालबाजी के खिलाफ हैं। महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है हम लेकिन जो जल्दबाजी है जिस तरह से लाया जा रहा है उसके खिलाफ हैं। जातीय जनगणना होगी तो देश आरक्षण मांगेगा, यह सबसे बचना चाहते हैं। देश में आरक्षण के साथ-साथ संरक्षण की ज्यादा जरूरत है।

मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण मिले

उन्होंने कहा कि ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण मिले। मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण मिले। भाजपा राज में सबसे ज्यादा महिलाएं दुखी हैं। भाजपा की 21 जगह सरकारें हैं, भारतीय जनता पार्टी बताएं इनमें से भाजपा की कितनी महिला मुख्यमंत्री बनी हुई हैं। दिल्ली में भी महिला होने के नाते वह हाफ चीफ मिनिस्टर हैं संस्कार का आरंभ महिला से होता है, यदि महिला जागृत है तो पूरा समाज जागृत हो जाता है। जब तक महिलाएं राजनीति में नहीं आएगी तो सामाजिक क्रांति अधूरी रहेंगी। इसीलिए उत्तर प्रदेश में पंचायत में सबसे पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का काम समाजवादी पार्टी ने किया था।

अखिलेश यादव ने कहा कि जनगणना के बाद परिसीमन शुरू हो। परिसीमन सिर्फ भाजपा का षड्यंत्र है। परिसीमन से चुनावी नक्शा बदलने की साजिश हो रही है। महिला आरक्षण के नाम पर जल्दबाजी किस बात की है? सच तो यह है भाजपा जातीय जनगणना को टालना चाहते हैं क्योंकि उसके बाद आरक्षण देना होगा जो भाजपा के संघी साथी देना नहीं चाहते हैं।

परिसीमन सिर्फ भाजपा का षड्यंत्र है

विकासनगर अग्निकांड स्थल पहुंचे आराधना मिश्रा व रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ। लखनऊ के विकासनगर में हुए अग्निकांड के बाद कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा व सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा मौके पर पहुंचीं और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने हादसे पर दुख जताते हुए पार्टी की ओर से एक लाख रुपये की सहायता देने का आश्वासन दिया। साथ ही सरकार से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने और घटना की जांच के लिए कमेटी गठित करने की मांग की। यह आग थाना क्षेत्र स्थित विन पैलेस के पास बसी झुग्गी-झोपड़ी में लगी थी, जिसमें कई परिवार प्रभावित हुए। वहीं सपा विधायक रविदास मल्होत्रा पीड़ितों से मिलने पहुंचे। उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिया।

पीड़ितों से मुलाकात कर मदद व मुआवजे की मांग की

गिरगिट की तरह रंग बदल रही कांग्रेस : मायावती

महिला आरक्षण के मामले में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस पर बरसीं बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस व सपा पर तीखा प्रहार किया। यूपी की पूर्व सीएम ने एक्स पर कहा कि सत्ता में रहने पर कांग्रेस ने कभी भी एससी-एसटी और ओबीसी समाज के हितों का ध्यान नहीं रखा और अब इन वर्गों की महिलाओं की बात कर रही है। इसी तरह सपा का भी एससी-एसटी और ओबीसी के प्रति सत्ता में रहने पर तिरस्कारपूर्ण रवैया रहता है।

देश के अनुसूचित जाति-जनजाति व पिछड़े समाज के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के मामले में कांग्रेस गिरगिट की तरह अपना रंग बदलने पार्टी भी महिला आरक्षण में, जो अब इन वर्गों की बात कर रही है, वो यही कांग्रेस पार्टी है जिसने अपनी केन्द्र की सरकार के रहते हुये किसी भी क्षेत्र में इनके आरक्षण के कोटे को पूरा कराने की कभी भी पहल नहीं की। तथा ना ही ओबीसी समाज हेतु मण्डल कमीशन की रिपोर्ट के हिसाब से उन्हें सरकारी नौकरी व शिक्षा के क्षेत्र में 27 प्रतिशत आरक्षण को भी लागू किया जिसे फिर बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार में अनततः लागू किया गया था, जो सर्वविदित है। इसी प्रकार, यूपी में पिछड़े मुस्लिमों को

ओबीसी का लाभ देने के लिए, पिछड़ा वर्ग आयोग की जुलाई 1994 में ही आई रिपोर्ट को भी सपा सरकार ने ठण्डे बस्ते में डालकर इसे लागू नहीं किया था, जिसे फिर यहां बसपा की दिनांक 3 जून सन 1995 में पहली बनी सरकार ने इसे तुरन्त लागू किया। अब यही सपा अपना रंग बदलकर अपने राजनैतिक स्वार्थ में इनकी महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की बात कर रही है। इस प्रकार, अन्य मामलों की तरह इस मामले में भी सपा जब सरकार में नहीं है तो अलग रवैया अपना रही है, किन्तु जब सरकार में होती है तो अलग संकीर्ण जातिवादी व तिरस्कारी रवैया अपनाती है। अतः इन सभी वर्गों को ऐसी सभी छलावा एवं दोहरे चरित्र वाली पार्टियों से हमेशा सावधान रहना होगा तभी कुछ बेहतर संभव हो पाएगा। जहां तक महिला आरक्षण के लिए पिछली (सन-11) जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का सवाल है तो इस बारे में यही कहना है कि यदि इसे जिन भी कारणों से जल्दी लागू करना है तो फिर इसी जनगणना के आधार पर करना है और यदि वर्तमान में कांग्रेस पार्टी केन्द्र की सत्ता में होती तो फिर यह पार्टी भी बीजेपी की तरह ही यही कदम उठाती। कुल मिलाकर, कहने का तात्पर्य यह है कि देश में एससी, एसटी व ओबीसी एवं मुस्लिम समाज के वास्तविक हित, कल्याण व उनके भविष्य संवारने आदि के किसी भी मामले में कोई भी पार्टी गम्भीर नहीं रही है। इसीलिये महिला आरक्षण के मामले में इन वर्गों को अभी जो कुछ भी मिलने वाला है उसे इनको फिलहाल स्वीकार कर लेना चाहिये और इस मामले में आगे अच्छा वक्त आने पर इनके हितों का सही से पूरा ध्यान रखा जायेगा अर्थात इन्हें किसी के भी बहकावे में नहीं आना है क्योंकि इनको खुद अपने पैरों पर खड़े होकर अपने समाज को आत्मनिर्भर एवं मजबूत बनाना है। यही सलाह है।

चुनाव आयोग और भाजपा एक दूसरे के पूरक : अजय राय

» बोले यूपी कांग्रेस अध्यक्ष यूपी में पंचायत चुनाव टालने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राजस्थान दौरे के दौरान भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए चुनाव टाल रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से बचने का प्रयास कर रही है।

दरअसल, अजमेर पहुंचे अजय राय ने यूथ कांग्रेस के युवा कांग्रेस महासंग्राम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने युवाओं में दिख रहे उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि आज का नौजवान राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है और कांग्रेस पार्टी उन्हें आगे बढ़ने का मंच दे रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा संगठन से जुड़ रहे हैं, जो पार्टी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आएं। अजय राय ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग अब पूरी तरह निष्पक्ष संस्था नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग और भाजपा एक-दूसरे के पूरक की तरह काम कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक स्थिति है। प्रदेशाध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए जाने को लेकर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। अजय राय का कहना है कि सरकार जनता के बीच जाने से घबरा रही है, इसलिए चुनाव टालने की रणनीति अपनाई जा रही है। उनके अनुसार यह सरकार की कमजोरियों और असफलताओं को छिपाने की कोशिश है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई राज्यों में छात्रसंघ चुनाव भी नहीं कराए जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

परिसीमन प्रक्रिया से संघीय ढांचे में असंतुलन पैदा होगा : इमरान

कांग्रेस नेता बोले- जिन राज्यों ने अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया है, उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन परिसीमन प्रक्रिया से संघीय ढांचे में असंतुलन पैदा होगा। एएनआई से बात करते हुए मसूद ने कहा कि परिसीमन आयोग के पास असीमित शक्तियां होंगी, और जो लोग बिना किसी नियंत्रण के सत्ता में बने रहते हैं, उन्हें हमेशा भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ये बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर चर्चा होनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि जिन राज्यों ने अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया है, उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इससे क्षेत्रीय असंतुलन की भावना पैदा होगी। परिसीमन विधेयक-26, संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 26 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन)

विधेयक, 2026 को गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष द्वारा ध्वनि मत से इनके प्रस्तुतिकरण के विरोध में विभाजन की मांग के बाद पेश किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 को पेश करने के लिए विभाजन की पहल की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधेयकों के लिए सर्वसम्मति से समर्थन मांगा।

विपक्षी दलों ने परिसीमन विधेयक को लेकर कड़ी चिंता व्यक्त की है। लोकसभा में बहस के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक,26 का विरोध करने वाले विपक्ष को कड़ी चेतावनी दी, जिसमें 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव है।

उन्होंने कहा कि विधेयक का विरोध करने वालों को लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, और निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला।

परिसीमन को लेकर विपक्ष ने उठाई विरोध की तलवार

स्टालिन ने एनडीए सरकार पर किया तीखा हमला

भाजपा सरकार पर हो रहा चौतरफा वार

» बंगाल व तमिलनाडु में इसी महीने चुनाव

» ममता बनर्जी ने केंद्र पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल व तमिलनाडु में इसी महीने चुनाव हैं। प्रचार में तेजी है। इस बीच केंद्र सरकार ने परिसीमन पर तैयारी तेज कर दी है। भाजपा सरकार के इस प्रक्रिया से दक्षिण से लेकर पूर्व तक संग्राम मच गया है। तमिलनाडु व बंगाल की सीएम ने आक्रामक रूख अपना लिया है। स्टालिन व ममता बनर्जी ने भाजपा पर भेदभाव का आरोप लगाया है। देखने में आ रहा है इस मुद्दे पर जिस तरह डीएमके व टीएमसी मुखर है उससे ऐसा लगता है इस चुनावों में यह जनता के बीच उठाया जाएगा। परिणामों के बाद भी इस पर सियासी जंग तेज होने के आसार हैं। तमिलनाडु के सीएम ने भाजपा सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया है।

वहीं बंगाल की सीएम ने कहा है कि दिल्ली, जनता से वोट देने का अधिकार छीन रही है। बंगाली नववर्ष के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों को बधाई और केंद्र सरकार की नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने की अपील की। उन्होंने भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने पर जोर देते हुए आगामी चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को समर्थन देने का आह्वान किया। पश्चिम बंगाल में 26 के चुनावों से पहले ममता बनर्जी और बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ममता ने बीजेपी पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वहीं, बीजेपी ने घुसपैठ और खराब शासन का मुद्दा उठाकर उन पर पलटवार किया है। देश के तीन राज्यों असम, केरल और पुदुचेरी में नौ अप्रैल को एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। कौन सा दल किस मुद्दे के सहारे जनता के बीच जा रहा है? किस राज्य में कौन सा गठबंधन या रणनीति अधिक कारगर साबित होगी?

लोगों से भी की अपील

अंत में मुख्यमंत्री ने आने वाले विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जोड़ा फूल के निशान पर वोट दें। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी उम्मीदवार भारी अंतर से जीत हासिल करेंगे।

स्टालिन की भाजपा को चेतावनी

'भारी कीमत चुकानी पड़ेगी'

लोकसभा में परिसीमन संशोधन विधेयक पेश होने के मामले पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा को इसकी भारी कीमत चुकाने की चेतावनी दी है। एमके स्टालिन ने ट्वीट किया, काले झंडे फहराएं। क्या यह भारत की प्रगति में योगदान देने की सजा है? क्या तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों को बदले में यही मिल रहा है? परिसीमन संशोधन विधेयक, जिसे केंद्र सरकार की भाजपा सरकार कल संसद में पेश करने की योजना बना रही है, तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों के साथ एक बड़ा ऐतिहासिक अन्याय है। परिसीमन के विरोध में कल तमिलनाडु भर में घरों और सार्वजनिक स्थानों पर काले झंडे फहराए जाएंगे। अगर केंद्र सरकार तमिलनाडु की आवाज का सम्मान नहीं करती और पीछे नहीं हटती, तो आपको इसके नतीजे भुगतने होंगे। इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। डीएमके अध्यक्ष के रूप में और सबसे बढ़कर एक स्वाभिमानी तमिल नागरिक के रूप में यह मेरी कड़ी चेतावनी है।

बंगाल की आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखे : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बंगाली नववर्ष के खास मौके पर राज्य के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने लोगों से केंद्र सरकार की मनमानी का विरोध करने और बंगाल की आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने को कहा। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राज्य के लोगों को बंगाली नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि नए साल की इस सुबह में हर किसी का जीवन दुखों से मुक्त हो। उन्होंने कामना की कि इस नई पुकार के साथ हर इंसान का मन पवित्रता से भर जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार पर जनता के वोट देने के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दें। ममता ने कहा कि हमारा बंगाल कला और संस्कृति का केंद्र होने के साथ-साथ सभी धर्मों के बीच सद्भाव की धरती भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ बुरी ताकतें बंगाल को भ्रष्ट करने के लिए खड़ी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठे शासक लोगों के अधिकार छीन रहे हैं, जिन्हें सबक सिखाना जरूरी है। ममता बनर्जी ने लोगों से विभाजनकारी और तानाशाही प्रवृत्तियों को रोकने का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने अपील की कि इस शुभ दिन पर हम सब मिलकर एक शपथ लें। हमें हर तरह की संकीर्ण सोच की दीवारों को तोड़कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई भी विभाजनकारी ताकत हमारी शांति, पारंपरिक सद्भाव और दोस्ती के बंधन को नहीं तोड़ पाएगी।

जहां बन रही थी बाबरी मस्जिद, वहां के अधिकारियों का किया तबादला

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए चुनाव आयोग ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक को हटा दिया है। एक चुनाव पैनल अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई मंगलवार को की गई। यह पहली बार नहीं है जब बेलडांगा में अधिकारियों का तबादला हुआ है। इससे पहले 11 अप्रैल को बेलडांगा के उप-मंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) को भी उनके पद से हटा दिया गया था। अब बेलडांगा पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक को भी आयोग के आदेश पर हटाया गया है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि आशुतोष राय को बेलडांगा पुलिस स्टेशन का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया जाएगा। राय इससे पहले हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। लंबे समय से इस पद पर काबिज रहे अनिमेष डे को हटा दिया गया है। आशुतोष राय को मंगलवार रात तक बेलडांगा पुलिस स्टेशन का कार्यभार संभालने को कहा गया है।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की जनता को दी पोइला बैसाख की बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल के सभी बहनों और भाइयों को पोइला बैशाख के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक उत्कृष्टता से संपन्न तथा स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों के पवित्र इतिहास से धन्य पश्चिम बंगाल एक नए युग में प्रवेश करे।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर बोले

चार मई आएगी, ममता बनर्जी जाएगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए सियासी जमीन तैयार करने चुनावी राज्य में पहुंचे पार्टी नेता अनुराग ठाकुर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने ममता बनर्जी द्वारा भाजपा पर लोगों के मतदान का अधिकार छीनने के लगाए गए आरोपों को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री गलत काम

करने वालों का संरक्षण करती हैं। उन्होंने कहा कि चार मई आएगी, ममता बनर्जी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कन्याकुमारी में रोड शो

आगामी 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने अपने अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्याकुमारी जिले में एक भव्य रोड शो करेंगे। इस रोड शो के माध्यम से भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाया जाएगा। प्रधानमंत्री विशेष

विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे, जिसके बाद वे हेलीकॉप्टर से नयागरेकल के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह लगभग 4:30 बजे वे आर्म्ड फोर्सेज ग्राउंड पर उतरेंगे और वहां से सड़क मार्ग से वेपामोडू जंक्शन तक जाएंगे, जहां से रोड शो की शुरुआत होगी। वेपामोडू जंक्शन से वाडासेरी स्थित एम.जी.आर. प्रतिमा तक लगभग एक किलोमीटर लंबे मार्ग पर यह रोड शो आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी एक खुली गाड़ी में जनता का अभिवादन करते हुए कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और तेनकासी जिलों के भाजपा और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई, पूर्व केंद्रीय मंत्री पोन राधाकृष्णन और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी सहित अन्य गठबंधन के नेता भी प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

क्या मानवीय संवेदना को समझेगा एआई तकनीक

चीन से एआई तकनीकी के प्रयोग की एक अनोखी खबर आई। जिसने एआई की उपयोगिता तो बताई पर कई सवाल भी खड़े किए कि क्या मानव संवदेनाए एआई से भरी जा सकती है। दरअसल चीन में अस्सी वर्षीया मां को बेटे की मौत की खबर से दूर रख एआइ की मदद से बेटे का वर्चुअल रूप तैयार कर रोजाना संवाद कराने की खबर है। इसे भले ही तकनीक का अनूठा इस्तेमाल कहा जा रहा हो, पर इससे जुड़े कई ऐसे सवाल भी है जिनका जवाब तलाशना जरूरी हो जाता है। इस दुनिया में जो आया है उसे एक न एक दिन जाना ही होगा, यह अटल सत्य है। यह भी एक तथ्य है कि प्रकृति ने इंसान को बड़े से बड़े आघात को समय के साथ भुला देने की क्षमता भी प्रदान की है ताकि जीवन पटरी पर आ सके। सबसे बड़ा सवाल तो नैतिकता का है। साथ ही यह भी कि मां को अपने बेटे के न रहने की जब किसी माध्यम से जानकारी मिलेगी तो क्या इसे भावनाओं से खिलवाड़ नहीं माना जाएगा कि एक मां को उसके बेटे के जिंदा होने की झूठी दिलासा दी जाती रही है।

दूसरा सवाल यह भी कि इस तरह के वर्चुअल इंसान के जरिये आपराधिक वारदातों का नया खतरा सामने आने लगा तो हमारे पास उससे निपटने की कौनसी राह होगी? यह सच कि अपने प्रियजन के न रहने की खबर का आघात असहनीय होता है। प्रियजन की मौत का आघात अचानक नहीं पहुंचे इसलिए इसे एक थैरेपी का रूप माना जा सका है। लेकिन तथ्य यह भी है कि किसी को बुरी खबर कब और कैसे सुनाई जाए इसका खास ध्यान रखा जाता रहा है। मौत के बाद भी किसी को आभासी रूप से जिंदा रखना अलग बात है लेकिन ममता से खिलवाड़ करना दूसरी बात। मां को दिलासा दिलाने के इस प्रयोग के पक्षधर भी होंगे तो विरोधी भी कम नहीं होंगे। जो पक्षधर हैं वे यह कह सकते हैं कि एआइ क्लोन की तकनीक व्यक्ति की यादों को जीवित रखने का नया माध्यम भी बन सकती है। ऐसा इसलिए भी कि फोटो, वीडियो और आवाज के डेटा के आधार पर बनाए गए ये एआइ अवतार किसी के भी व्यक्तित्व और बोलचाल की शैली में काफी हद तक हूबहू लगते हैं। चिंता यह भी की जानी चाहिए कि यदि वास्तविक संबंधों के बजाय लोगों को इसी तरह डिजिटल दुनिया के सहारे भ्रम में रखा जाने लगा तो सामाजिक रिश्तों की प्रकृति बदलते भी देर नहीं लगने वाली। यह भी बहस का विषय हो सकता है कि मृत व्यक्ति के डेटा का उपयोग कर उसका डिजिटल रूप बनाना उचित है या नहीं। इस तकनीक के वे खतरे भी सामने कम नहीं है, जो आपराधिक वारदातों को जन्म देने वाले हो सकते हैं। एआइ के जरिये मृत व्यक्ति का क्लोन बनाना तकनीक का चमत्कार भले ही कहा जा रहा हो लेकिन यह संवेदनशील मसला है।

> “एआइ के जरिये मृत व्यक्ति का क्लोन बनाना तकनीक का चमत्कार भले ही कहा जा रहा हो लेकिन यह संवेदनशील मसला है। ऐसी तकनीक यह जहां एक वज्रपात से लगने वाली खबर सहन नहीं कर सकने वाले लोगों को सहारा दे सकती है, लेकिन दूसरी ओर यह मानसिक, नैतिक और सामाजिक चुनौतियां भी पैदा करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युद्ध, बच्चे और हमारी सामूहिक विफलता

डॉ. रितु सारस्वत

हाल ही में नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास में 'एंजेल्स ऑफ मिनाब' नाम से एक प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जिसमें उन छोटे बच्चों की बनाई तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है, जो ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल के मलबे से बरामद हुई थीं। ये चित्र उस त्रासदी के साक्ष्य हैं, जिसमें एक हमले के दौरान अनेक बच्चों और अन्य नागरिकों की जान चली गई। यह प्रदर्शनी केवल कलात्मक अभिव्यक्ति का मंच नहीं है, बल्कि उन बच्चों के मौन को दर्ज करने का माध्यम है, जो इस घटना के बाद बोलने के लिए जीवित नहीं रहे। इन चित्रों को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वयस्कों के राजनीतिक और सैन्य संघर्षों के बीच बच्चों का जीवन सबसे पहले और सबसे आसानी से नष्ट होता है। यह स्थिति किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें बच्चों का अस्तित्व और सुरक्षा लगातार उपेक्षित रहते हैं।

यह केवल एक घटना का विवरण नहीं, बल्कि उस व्यापक वास्तविकता की ओर संकेत है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए आकलन भी रेखांकित करते हैं। यूनिसेफ द्वारा जारी हालिया आकलन में, 'यूनिसेफ स्टैंड्स विद ईरान्स चिल्ड्रेन ऐज सीजफायर ऑफर्स पाथ टू रिकवरी' के संदर्भ में यह स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है कि वर्ष 2026 के आरंभिक महीनों में ईरान में दर्ज सैन्य हमलों और उनसे उत्पन्न मानवीय परिस्थितियों के दौरान 1100 से अधिक बच्चे मारे गए या घायल हुए हैं, और इन घटनाओं के प्रभाव बच्चों के जीवन पर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। यूनिसेफ ने यह भी रेखांकित किया है कि इन परिस्थितियों का सबसे अधिक और सबसे गहरा असर बच्चों पर पड़ा है। वे न केवल शारीरिक क्षति का सामना कर रहे हैं, बल्कि भय, असुरक्षा और दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघात के साथ जीवन जीने के लिए विवश हैं। यूनिसेफ के अनुसार, जिन बच्चों का स्थान विद्यालयों और सुरक्षित पारिवारिक वातावरण में होना चाहिए था, वे आज विस्थापन, अस्थिरता और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बीच जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

अनेक बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया है और जो जीवित हैं, उनके लिए सामान्य जीवन की संभावना भी गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। यह स्थिति केवल एक मानवीय संकट नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था की गहरी विफलता को भी रेखांकित करती है, जो बच्चों की सुरक्षा के दावों के बावजूद उन्हें सबसे अधिक असुरक्षित छोड़ देती है। यह स्थिति केवल वर्तमान परिदृश्य का संकेत नहीं देती, बल्कि उस गहरी मानवीय त्रासदी की ओर भी इंगित करती है, जिसे सभ्य समाज ने अपनी आकांक्षाओं की आड़ में उपेक्षित कर दिया है। वर्ष 1956 में प्रकाशित पुस्तक 'नाइट' इस त्रासदी को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में सामने आती है, जिसमें एली विजेल ने अपने जीवन के उन अनुभवों को दर्ज किया है, जिन्हें उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में स्वयं जिया। ट्रांसिल्वेनिया के सिघेट शहर में जन्मे इस बालक को 1944 में उसके परिवार सहित उसके निवास-स्थान से हटाकर ऑशविट्ज और बाद में बुचेनवाल्ड जैसे यातना शिविरों में भेज दिया गया। यह कृति केवल एक व्यक्ति की स्मृतियों का संकलन नहीं है, बल्कि उस व्यापक मानवीय संकट का प्रमाण है, जिसमें एक बालक का बचपन, विश्वास और जीवन-बोध एक साथ विखंडित हो जाते हैं। विजेल लिखते हैं कि 'मैं उन लपटों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरे विश्वास को सदा के लिए समाप्त कर दिया; मैं उस सन्नाटे को कभी नहीं भूल सकता, जिसने मुझसे जीवन की इच्छा छीन ली; और मैं उन क्षणों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरी आत्मा को नष्ट कर मेरे सपनों को राख में बदल दिया।' यह कथन केवल एक बालक की व्यक्तिगत स्मृति नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों की सामूहिक पीड़ा का प्रतिनिधित्व करता है, जो युद्ध और हिंसा के बीच अपने अस्तित्व से पहले ही वंचित हो जाते हैं। जब हम 'ए डायरी ऑफ अ यंग गर्ल' को देखते हैं, जिसे ऐन फ्रैंक ने 1942 से 1944 के बीच, लगभग दो वर्षों तक, उस अवधि में लिखा जब वह अपने परिवार के साथ नाजी उत्पीड़न से बचने के लिए एक बंद स्थान में छिपकर रहने के लिए विवश थी।

लगभग 13 से 15 वर्ष की आयु के बीच लिखी गई यह डायरी एक ऐसी बालिका के जीवन का सजीव दस्तावेज है, जो निरंतर भय, असुरक्षा और सीमित परिस्थितियों के बीच भी अपने सामान्य जीवन और सपनों को बनाए रखने का प्रयास कर रही थी। ऐन फ्रैंक की मृत्यु के उपरांत यह डायरी 1947 में प्रकाशित हुई, और यह केवल एक बालिका की स्मृतियों का संकलन भर नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों के जीवन की प्रतिनिधि कथा है, जिन्हें युद्ध ने असमय ही समाप्त कर दिया।

लोकतंत्र में महिलाओं को उचित हक दिलाने की पहल

नारी शक्ति वंदन क़ानून केवल एक अधिनियम नहीं, भारतीय समाज की उस सामूहिक चेतना का परिचायक है जो स्त्री-पुरुष समानता को हकीकत बनाना चाहती है। यह उस भारत की परिकल्पना है जहां माता-बहनें-बेटियां केवल घर की नहीं, राष्ट्र की भी नियति लिखेंगी। अधिनियम में सुधार तुरंत आने का चाव सम्पूर्ण महिला जगत में देखा जा रहा है।

ओम प्रकाश धनखड़

नारी वंदन कानून में सुधार एक उत्सव बन गया है। आगामी 16, 17, 18 अप्रैल की तिथियां भारतीय इतिहास में गौरवमयी स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होने जा रही हैं। साल 2026 का बैसाखी का त्योहार एक नव पर्व के रूप में पल्लवित हो रहा है। ऐसा लग रहा था विधायिका में महिला सहभागिता का अवसर 2034 के चुनाव के साथ अवतरित होगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की समसामयिक पहल से यह अवसर 2029 में साकार हो रहा है। आगामी मंजिल पांच साल पहले आ रही है। चाव से भरी हुई देश की नारी शक्ति को बधाई! पंजाबी में एक फिल्म है-गोडे गोडे चाव। इस फिल्म की केंद्रीय कथा महिलाओं के पहली बार बारात चढ़ने की है। बारात में जाने में जब वे सफल होती हैं तब जिस चाव से उनके कदम उठ रहे हैं, उसे कथाकार ने 'गोडे गोडे चाव' कहा है।

भारत की समस्त दल-नेत्रियों समेत जागरूक महिलाओं, महिला संगठनों व युवतियों में इस अधिनियम में सुधार तुरंत आने से वैसा ही गोडे गोडे चाव है। यानी यह चाव महिला जगत के सम्पूर्ण वातावरण में देखा जा रहा है। महिलाओं ने हर अधिकार वर्षों के संघर्ष से पाया है। जीवन हो, पोषण हो, शिक्षा हो, सम्पत्ति में हिस्सेदारी, मताधिकार, विभिन्न नौकरियों में सहभागिता-शताब्दियों की तपस्या, संघर्ष व धैर्य से अर्जित किए। दुनिया के विभिन्न देशों, समाजों व समुदायों की अलग-अलग धाराओं में आज भी महिलाएं काफी पीछे हैं। अनेक अधिकारों से वंचित व पीड़ाओं में भी हैं। वर्षों तक मां की कोख ही कब्र बनती रही हैं। मेरे एक मित्र हैं विद्यार्थी परिषद में, 1990 के दशक में साथ काम करते थे, उन्होंने उस समय मुझे बताया उनकी भतीजी पहली बेटी है जो उनके गांव में जिंदा रखी गई है। मेरे लिये ये सुनना आंखें खोलने वाला था। हमारे भारत के ही एक हिस्से में ये स्थिति रही है। मैं चार बहनों, तीन बुवाओं और चार मौसियों के मध्य बड़ा हुआ था।

लेकिन एक दशक पहले आधुनिक तकनीकों व पुत्र मोह की सोच से जब मां की कोख ही बेटियों के लिए कब्र बन रही थी तब हमारे बुरी तरह बिगड़े लिंगानुपात के कारण बेटियों के लिए करुणामय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हरियाणा में पानीपत की भूमि पर आकर- 'हम बेटियों को बचायें'-इसके लिए झोली फैलाई थी। इस करुण कथा के समानांतर भारतीय महिलाएं अपने परिश्रम से हर जगह खुद को साबित भी कर रही थीं। अंतरिक्ष में, सेना में, खेलों में, विज्ञान में, उद्यमिता में, प्रशासन में, हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी क्षमता प्रदर्शित की। विज्ञान, प्रौद्योगिकी व सशस्त्र बलों तक खुद को बेहतर साबित किया। विधायिका में उनकी सहभागिता अभी हाशिये पर है। वर्तमान आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या 9 प्रतिशत से भी कम है। जबकि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या मात्र 14 प्रतिशत से कम है। वैश्विक स्तर पर भारत इस मामले में 140 से अधिक देशों से पीछे है। अब समय को भारतीय नेतृत्व ने पहचान लिया है कि राजनीति में भी नारी शक्ति को उसका उचित स्थान दें।

सच्चा, समावेशी और सशक्त लोकतंत्र बिना महिलाओं की समान भागीदारी के अधूरा ही रहता है। महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बाल विकास व महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहरी समझ रखती हैं। जब वे खुद सांसद या विधायक बनती हैं तो नीतियां कागजी नहीं, बल्कि जमीन पर उतरती हैं। पंचायतों में जहां महिलाएं सत्ता में आईं, वहां बाल विवाह घटा, लड़कियों की शिक्षा बढ़ी और घरेलू हिंसा पर अंकुश लगा। अब यही प्रभाव पूरे देश स्तर पर दिखेगा। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट बताती है कि लैंगिक समानता से जीडीपी में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। यह बिल आर्थिक विकास का इंजन बनेगा। साल 2047 में विकसित भारत के स्वप्न को भी साकार करेगा। नारी वंदन का यह फैसला केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदल रहा, बल्कि पूरे समाज की सोच बदल रहा है।

चुनावी मैदान में महिला उम्मीदवारों की तलाश बढ़ेगी, पार्टियां उन्हें टिकट देंगी, परिवार समर्थन करेंगे और समाज सम्मान देगा। एक दिन हम गर्व से कह सकेंगे-'भारत वह देश है जहां बेटियां न केवल घर संभालती हैं, बल्कि संसद और विधानसभाएं भी संभालती हैं।' नारी शक्ति वंदन क़ानून केवल एक अधिनियम नहीं, भारतीय समाज की उस सामूहिक चेतना का परिचायक है जो अब स्त्री-पुरुष के मध्य समानता को केवल आदर्श नहीं, वास्तविकता बनाना चाहती है। यह उस भारत की परिकल्पना है जहां माता-बहनें-बेटियां केवल घर की नहीं, राष्ट्र की भी नियति लिखेंगी। नारी शक्ति वंदन की पहल भारत की सबसे बड़ी सामाजिक न्याय की विजय है। यह बिल कह रहा है-अब इंतजार नहीं, अब हिस्सेदारी। अब महिलाएं पीछे नहीं, बल्कि आगे, बराबरी पर और नेतृत्व में होंगी। हर भारतीय नागरिक, हर राजनीतिक दल और हर युवा को इस बिल का स्वागत करना चाहिए। क्योंकि जब नारी सशक्त होगी, तब भारत सशक्त होगा। आओ भारत की बेटियों, संसद की सीढ़ियां अब तुम्हारा भी इंतजार कर रही हैं।

चेहरे को गर्मियों में ठंडक देंगे ये घरेलू नुस्खे

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद पोषक तत्व त्वचा को हाइड्रेट और ठंडक देते हैं। इसे लगाने के लिए ताजा एलोवेरा जेल निकालें। चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर 15 मिनट बाद धो लें। इसलिए त्वचा में निखार लाने के लिए एलोवेरा का यूज किया जा सकता है। एलोवेरा में मौजूद केमिकल 'एलोइन' त्वचा के मेलेनिन पिगमेंट को कम करता है, मेलेनिन को बनने से रोकता है। मेलेनिन त्वचा पर हाइपरपिग्मेंटेशन का कारण बनता है। एलोवेरा और नींबू फेस पैक चेहरे के गहरे रंग को हल्का करता है, साथ ही चेहरे के दाग धब्बों को भी मिटाने में मदद करता है।

चंदन पाउडर

आयुर्वेद में चंदन का काफी महत्व है। चंदन का इस्तेमाल सदियों से त्वचा को ठंडक देने के लिए किया जाता है। चंदन पाउडर में गुलाब जल मिलाएं और इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। चंदन का उपयोग कई तरह की स्वास्थ्य और त्वचा संबंधी समस्याओं का इलाज करने के लिए किया जाता है।

गुलाब जल

गुलाब जल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियों में चेहरे पर इसको लगाने से स्किन की कई समस्याएं दूर होती है और स्किन भी हेल्दी होती है। गर्मियों में चेहरे पर चिपचिपाहट और टैनिंग की समस्या काफी बढ़ जाती है। गुलाब जल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक कूलिंग टोनर की तरह काम करता है। इसे स्प्रे बोतल में भरकर दिन में 2-3 बार चेहरे पर लगा सकते हैं। कई बार लू चलने की वजह से स्किन की चमक भी चली जाती है।

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवा का असर हमारी त्वचा पर भी पड़ता है। इस वजह से कई लोगों को त्वचा में जलन, टैनिंग और रूखापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाएं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिल सकती है और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है। गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आप नियमित रूप से इन आसान घरेलू नुस्खों को अपनाते हैं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिलेगी और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है।

दही फेस पैक

गर्मी में दही का उपयोग करें। दही त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग कम करने में भी मदद करता है। इसके उपयोग के लिए एक चम्मच दही लें। उसमें थोड़ा शहद मिलाएं और 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। दही में विटामिन सी और लैक्टिक एसिड मौजूद होते हैं, जो मुहांसों से लड़ने में मदद करते हैं। वहीं बेसन त्वचा की रंगत में सुधार करता है और त्वचा को कोमल बनाता है। दोनों ही त्वचा पर मौजूद अतिरिक्त तेल और डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं और आपको एक दमकती त्वचा प्रदान करते हैं। दही फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मददगार है और बेसन त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। साथ ही दही में गुड फैट होता है, जो त्वचा में लोच को बनाए रखने में बहुत मददगार है।

तरबूज का रस

तरबूज में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे त्वचा को हाइड्रेशन और ठंडक मिलती है। तरबूज का रस चेहरे पर लगाने से स्किन फ्रेश महसूस होती है। तरबूज में एंटीऑक्सीडेंट्स होने के साथ विटामिन-सी और लाइकोपीन भी पाया जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-सी स्किन में कोलेजन बढ़ाने में मदद करता है, जिससे फाइन लाइंस और रिंकल्स की समस्या कम होने में मदद मिल सकती है। एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

खीरे का रस

खीरा त्वचा को ठंडक देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। त्वचा को ठंडक देने के लिए खीरे का रस निकाल लें। इसे कॉटन से चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। इससे स्किन को तुरंत ठंडक मिलती है। मृत त्वचा कोशिकाओं और ऑयली स्किन की परेशानियों को कम करने में खीरे का रस प्रभावी हो सकता है। खीरा आपकी स्किन को साफ करने के साथ-साथ रोमछिद्रों को कसने में मददगार हो सकता है। यह मुंहासों की परेशानी को कम करने के लिए हेल्दी होता है। इसके अलावा खीरे का रस रोमछिद्रों में मौजूद सीबम और प्रदूषण के कण को दूर कर सकता है, जिससे एक्ने की परेशानी दूर होती है।

हंसना मना है

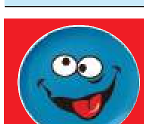

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई... दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं...

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू-वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर-सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं, संजू - पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी-किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। समय अनुकूल है।

कन्या

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। बुरे लोगों से दूर रहें।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु

जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

हालीवुड | मन की बात

बड़े स्टार्स बहुत पेशेवर और दयालु होते हैं : एली अवराम

एली अवराम ने फिल्मों में काम करने के अलावा कई आइटम नंबर भी किए हैं, जिनसे उन्हें सुर्खियां मिली हैं। एली पिछले लंबे वक्त से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और इस दौरान उन्हें कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ भी काम करने का मौका मिला है। हाल ही में एली अवराम ने स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने आमिर खान को लेकर अपनी राय भी रखी और बताया कि उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान एली अवराम ने बड़े स्टार्स के बारे में अपनी राय साझा की। एक्ट्रेस ने बड़े स्टार्स को लेकर कहा कि उनसे मैंने एक बात सीखी है कि वे अपने काम का बहुत सम्मान करते हैं। उनमें बहुत अनुशासन है और वे बेहद विनम्र हैं। यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि वे अपने काम के प्रति कितने पेशेवर और समर्पित हैं और फिर भी आगे बढ़ना और बेहतर करना चाहते हैं। बड़े सितारों के साथ काम करते हुए मैंने जो सबसे अच्छी बात देखी है, वह यह है कि मुझे कभी-कभी लगता है कि नए कलाकारों की इन स्टार्स के व्यवहार के बारे में जो सोच है, वह पूरी तरह गलत है। बड़े स्टार्स बहुत पेशेवर होते हैं, अपने साथ काम करने वालों के प्रति दयालु होते हैं, और वे नखरे नहीं दिखाते या अपनी धौंस नहीं जमाते। 2021 में आई फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने 'हर फन मौला' में आमिर खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी एली ने बात की। उन्होंने कहा कि आमिर खान एक परफेक्शनिस्ट होने के साथ-साथ बेहद विनम्र भी हैं। वह सबसे बात करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। वह आपकी राय की परवाह करते हैं और उस पर विचार भी करते हैं, उसे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं करते।

बिजनेसमैन अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक करेंगे आमिर खान

आमिर खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आमिर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। अब आमिर खान की नई फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आ रही है। यह एक बायोपिक फिल्म होने की खबरें हैं।

आमिर खान ने अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक को मंजूरी दे दी है। बिजनेस और स्टार्टअप जगत में उनकी भूमिका की कहानी ने अभिनेता को प्रभावित किया है। आमिर ने इसे पढ़ा है और उन्हें यह बहुत पसंद आई है; इसलिए वो यह फिल्म कर रहे हैं। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। अश्वनीर आज के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, इसलिए यह फिल्म उनसे काफी मिलती-जुलती है।

अश्वनीर ग्रोवर की कहानी उनकी किताब 'दोगलापन: द हार्ड ट्रुथ अबाउट लाइफ एंड स्टार्ट-अप्स' में बयां की गई है। खबरों के मुताबिक, 'प्यार का पंचनामा' सीरीज, 'सोनू के टिटू की स्वीटी' और 'तू झूठी मैं मक्कार' के लेखक राहुल मोदी इस फिल्म का निर्देशन और निर्माण करेंगे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। इस फिल्म को क्रिटिक्स ने काफी सराहा था और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म सफल रही थी।

अब आमिर अपने बेटे जुनैद खान की आगामी फिल्म 'एक दिन' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस तले ही किया गया है। फिल्म में जुनैद खान के साथ साई पल्लवी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'एक दिन' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हालीवुड की ज्यादातर फिल्में अमेरिका को महान दिखाने के लिए बनायी जाती हैं : कंगना रनौत

बॉलीवुड | मसाला

कंगना रनौत एक भारतीय अभिनेत्री होने के साथ ही निर्माता, निर्देशक और राजनेता हैं। कंगना ने 2006 में गैंगस्टर से बॉलीवुड में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दम पर पहचान बनाई और फैशन, क्वीन और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स जैसी फिल्मों के लिए चार राष्ट्रीय पुरस्कार और पद्म श्री जीते। अब वह राजनीति (मंडी से सांसद) में भी सक्रिय हैं। हाल ही में कंगना ने हॉलीवुड फिल्मों में काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है।

कंगना दो दशकों से बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने 'मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी' और 'इमरजेंसी' जैसी फिल्मों में काम किया और साथ ही इनका निर्देशन भी किया है। एक इंटरव्यू में अपने हॉलीवुड फिल्मों में काम करने के प्लान को लेकर बताया, मुझे हॉलीवुड का कोई क्रेज नहीं है।

कंगना ने आगे कहा, हॉलीवुड की फिल्में ज्यादातर अमेरिका को महान दिखाने के लिए बनाई जाती हैं। इसलिए हम बेवजह वहां जाकर अमेरिका को महान दिखाने की कोशिश क्यों करें? हमें अपना एजेंडा होना चाहिए। कंगना अब बॉलीवुड में ही नई फिल्में और चुनौतियां लेना चाहती हैं।

पिछले साल करीना कपूर खान ने भी कहा था कि वह हॉलीवुड में करियर बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। करीना ने कहा था, मैं तो यहीं पर हूं। मुझे अपनी हिंदी फिल्मों में काम करना बहुत पसंद है। दूसरी तरफ, बॉलीवुड अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा, ऐश्वर्या राय बच्चन, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, तब्बू व हुमा कुरैशी ने हॉलीवुड की कई फल्मों में काम किया है।

अजब-गजब | बहुत कम लोगों को पता है कि मानसून की एंट्री क्या है?

भारत में सबसे पहले यहां से प्रवेश करता है मानसून

भारत में गर्मी बढ़ते ही लोग मॉनसून का इंतजार करने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में मॉनसून सबसे पहले कहां दस्तक देता है? ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यह पूरे देश में एक साथ आता है, लेकिन असलियत कुछ और है। मॉनसून की एंट्री पॉइंट है केरल यानी केरलम। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सबसे पहले केरलम राज्य में प्रवेश करता है। सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है, लेकिन यह तारीख मौसम की स्थिति के अनुसार कुछ दिन पहले या बाद में हो सकती है।

भौगोलिक स्थिति: केरल भारत का दक्षिण-पश्चिमी तट है। अरब सागर से आने वाली नम हवाएं सबसे पहले केरल के तट से टकराती हैं।

पश्चिमी घाट: केरल में पश्चिमी घाट की ऊंची पहाड़ियां हैं। ये पहाड़ियां समुद्र से आने वाली नम हवाओं को ऊपर उठाती हैं। ऊंचाई पर पहुंचते ही हवा ठंडी होकर संघनित होती है और भारी बारिश होती है। इसे orographic rainfall कहते हैं।

दो मुख्य शाखाएं: मॉनसून की दो शाखाएं होती हैं। अरब सागर शाखा (जो केरलम से शुरू होती है) और बंगाल की खाड़ी शाखा (जो पूर्वोत्तर भारत में पहले पहुंचती है)। लेकिन मुख्य भूमि भारत पर सबसे पहले बारिश केरलम में ही शुरू होती है।

केरलम में एंट्री के बाद मॉनसून उत्तर की ओर बढ़ता है। पहले कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, फिर मध्य प्रदेश, राजस्थान और अंत में उत्तर भारत (दिल्ली, पंजाब आदि) तक पहुंचता है। पूरा देश आमतौर पर 15 जुलाई तक कवर हो जाता है।

2025 में हालात: इस साल मॉनसून केरलम में 24 मई को पहुंचा, जो सामान्य से 8 दिन पहले था। यह 2009 के बाद सबसे पहले आगमन था।

मजेदार तथ्य

केरलम में मॉनसून की पहली बारिश को "Edavappathy" कहा जाता है.

मॉनसून की शुरुआत IMD आधिकारिक रूप से घोषित करता है। इसमें बारिश, हवाओं की दिशा और अन्य पैरामीटर देखे जाते हैं।

केरल के अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मॉनसून और भी पहले पहुंच जाता है।

क्यों महत्वपूर्ण है केरलम?

केरलम में मॉनसून की शुरुआत पूरे देश के लिए संकेत होती है। अगर यहां समय पर बारिश होती है तो उत्तर भारत में भी अच्छी संभावना मानी जाती है। किसान, मौसम वैज्ञानिक और आम लोग इसी पर नजर रखते हैं।

आखिर दवाइयों के बीच क्यों मौजूद होती है लंबी लकीर? वजह है अजीब

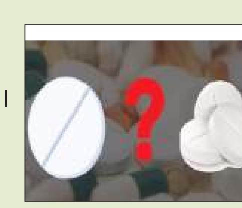

हम अपनी पूरी लाइफ में कई बार दवाइयां खाते हैं। सर्दी-खासी या किसी अन्य परेशानी पर डॉक्टर्स कई तरह की दवाइयां प्रिस्काइब करते हैं। दवाइयों को देखते समय अक्सर एक बात नजर आती है कि ज्यादातर टैबलेट्स के बीच में एक सीधी लकीर बनी होती है। कभी-कभी ये लकीर इतनी गहरी होती है कि उंगली से हल्का दबाने पर टैबलेट दो हिस्सों में आसानी से टूट जाती है। क्या ये लकीर सिर्फ सजावट के लिए है? आज हम आपको इसी सवाल का जवाब बताने जा रहे हैं। इस लकीर के पीछे वैज्ञानिक और बहुत व्यावहारिक वजह है। इस लकीर की वजह से दवाई की डोज को आसानी से बांटा जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण वजह यही है। कई दवाओं में डॉक्टर पूरे टैबलेट की बजाय आधी डोज लिखते हैं (खासकर बच्चों, बुजुर्गों या संवेदनशील मरीजों के लिए)। बिना लकीर वाली टैबलेट को चाकू या ब्लेड से तोड़ना मुश्किल काम होता है। लकीर वाली टैबलेट को हाथ से ही साफ दो बराबर हिस्सों में तोड़ा जा सकता है। इससे डोज सटीक रहती है। फार्मास्यूटिकल कंपनियां लकीर को इतनी सटीक तरीके से बनाती हैं कि दोनों हिस्से लगभग बराबर वजन के होते हैं। इससे मरीज को सही मात्रा मिलती है। Dissolution rate (घुलने की गति) को नियंत्रित करने में भी ये लकीर मदद करती है। कुछ दवाओं में लकीर दवा के घुलने की दर को भी प्रभावित करती है। टूटे हुए हिस्से का सतह क्षेत्र बढ़ जाता है, जिससे दवा तेजी से घुल सकती है। इसके अलावा ये लकीर मरीज की सुविधा के लिए भी बनाई जाती है। बुजुर्गों या जिन्हें निगलने में दिक्कत हो, वे आसानी से टैबलेट तोड़कर ले सकते हैं। कुछ दवाएं तोड़कर लेने के लिए ही डिजाइन की जाती है। इसका जवाब है नहीं। कुछ दवाएं आंत में घुलने वाली याधीरे-धीरे छोड़ने वाली होती है। इनमें लकीर नहीं बनाई जाती क्योंकि टूटने से दवा का पूरा प्रभाव बिगड़ सकता है। ऐसे टैबलेट्स पर Do not break या Do not crush लिखा होता है। कुछ महत्वपूर्ण बातें याद रखें। लकीर वाली टैबलेट ही तोड़ें। बिना लकीर वाली को कभी ना तोड़ें। टूटे हुए टैबलेट को तुरंत इस्तेमाल करें, ज्यादा देर ना रखें। अगर डॉक्टर ने पूरा टैबलेट लेने को कहा है तो आधा ना लें। बच्चों की पहुंच से दवाएं दूर रखें।

महिलाओं को गुमराह नहीं किया जा सकता : प्रियंका

सांसद ने महिला आरक्षण विधेयक का किया समर्थन, केंद्र की मंशा पर उठाए सवाल

» कहा- महिला आरक्षण विधेयक पर राजनीतिक चालाकी देखकर चाणक्य भी होते भौंचक्के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए इसका समर्थन किया, लेकिन केंद्र सरकार पर हमला भी बोला। उन्होंने सरकार के इरादे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण का दृढ़ता से समर्थन करती है और इस मुद्दे पर उसके रुख को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। लोकसभा में सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को लेकर जिस तरह की राजनीतिक चालाकी दिखाई जा रही है, उसे देखकर चाणक्य भी आज जीवित होते तो आश्चर्यचकित रह जाते।

उन्होंने यह भी बताया कि सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पहले भी प्रयास किए गए थे, जब 2010 में विधेयक पारित हुआ था, लेकिन लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। प्रियंका ने गृह मंत्री अमित शाह पर राजनीतिक कुटिलता का आरोप भी लगाया और तंज कसते हुए कहा कि यदि आज चाणक्य जिंदा होते तो आपकी कुटिलता से चौंक जाते। उनका कहना था कि सच्चाई यह है कि लोकसभा में हो रही चर्चा महिला आरक्षण विधेयक पर ही नहीं है, बल्कि परिसीमन पर भी है। प्रियंका ने कहा कि असलियत यह है कि मामला सिर्फ महिला आरक्षण विधेयक का नहीं है, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का है। उन्होंने कहा कि महिला कोटा का विचार ऐतिहासिक जड़ों से जुड़ा है और इसकी शुरुआती पहल मोतीलाल नेहरू ने की थी। उन्होंने कहा कि मोदी भले ही दावा करें कि उन्हें इसका श्रेय नहीं चाहिए, लेकिन महिलाओं को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि यह मुद्दा सिर्फ राजनीतिक दावों से परे है और विधेयक के पीछे की मंशा पर सवाल उठाया। प्रियंका ने कहा कि राहुल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने का आग्रह किया था।

पीएम यहां राहुल का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन घर पर वे अपने शब्दों पर विचार करेंगे

उन्होंने कहा कि 2010 में, दिवंगत प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का एक बार फिर प्रयास किया। यह राज्यसभा में पारित भी हो गया, लेकिन लोकसभा में इस पर सहमति नहीं बन पाई। 18 में, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर कहा कि महिलाओं के लिए यह आरक्षण 19 तक लागू किया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री यहां राहुल गांधी का मजाक उड़ा सकते हैं, लेकिन घर लौटने पर वे अपने शब्दों पर विचार करेंगे।

परिसीमन पर मोदी सरकार को मिला जगन रेड्डी का साथ

महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे ऐतिहासिक विधेयकों पर संसद में जारी घमासान के बीच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने इन विधेयकों पर सरकार का समर्थन करने का औपचारिक फैसला किया है। वाईएसआर के महासचिव सज्जाला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा, हमें आबादी के आधार पर सीटों के बंटवारे के बजाय, लोकसभा सीटों में सीधे 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर कोई आपत्ति नहीं है। अगर किसी राज्य में 40 सीटें हैं, तो 20 और सीटें जोड़ी जाएंगी, 80 सीटों के लिए, 40और। इससे सीटों का अनुपात बना रहता है और दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का भी समाधान होता है। मुझे इसमें कोई कमी नज़र नहीं आती, जबकि आबादी के आधार पर सीटों में बढ़ोतरी से निश्चित रूप से कई दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं।

बीजेपी बम धमाका करवाकर इल्जाम किसी और पर मढ़ना चाहती है

» सीएम ममता बोलीं- वे मुसीबत खड़ी करके वोट चुराएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि विपक्ष की योजना एनआईए को लाना, बम धमाका करना और फिर इसका इल्ज़ाम किसी और पर मढ़ देना है। दिनहाटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, तृणमूल कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि राज्य के बाहर से आए लोगों का इस्तेमाल अशांति फैलाने और मतदान प्रक्रिया नज़दीक आते ही स्थानीय युवाओं की गिरफ्तारी करवाने के लिए किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी (बीजेपी की) योजना एनआईए को लाना, बम धमाका करना और फिर इसका इल्ज़ाम किसी और पर मढ़ देना है। वे बाहर से कुछ लोगों को लाएंगे, आप पर आरोप लगाएंगे और कल लड़कों को गिरफ्तार कर लेंगे। यह बस कुछ ही दिनों की बात है। सब्र रखें, बस अपना नाम दर्ज करवाएं और किसी भी मुसीबत में न पड़ें। मैं आपसे अपील कर रही हूं, वे मुसीबत खड़ी करके वोट चुराएंगे। अगर ज़रूरी हो, तो आप रात में भी उन पर नज़र रखें। इस बीच, बंगाल के पश्चिम बर्धमान में एक रैली के दौरान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में पहचान के संकट, गुंडागर्दी, अपराध और माफिया के बारे में बात की। योगी आदित्यनाथ ने कह कि मैं आप लोगों से अपील करने आया हूं उन लोगों से, जिनकी वजह से पिछले 15 सालों से बंगाल पहचान के संकट का सामना कर रहा है, जिन्होंने बंगाल को आतंक, माफिया राज, रंगदारी और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है कि अब टीएमसी की कोई ज़रूरत नहीं है। इन लोगों ने आम जनता, युवाओं, बेटियों और बहनों के बीच डर का माहौल बना दिया है। इनकी वजह से ही माफिया पनपा है। इस माफिया वाली प्रवृत्ति को बीजेपी खत्म करेगी। यही बीजेपी का संकल्प है।

महिला आरक्षण विधेयक का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा

» सिसोदिया बोले- सीटों की पूरी संरचना में छेड़छाड़ न की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने महिला आरक्षण विधेयक से संबंधित मौजूदा परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करते हुए चिंता व्यक्त की है कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि वे विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में वृद्धि का समर्थन करते हैं, लेकिन अपनाई जा रही प्रक्रिया मौजूदा सीट संरचना को बिगाड़ रही है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक एक अच्छा विचार है और हम सभी इसका समर्थन करते हैं। लेकिन जिस तरह से वे सीटों की पूरी संरचना में छेड़छाड़ कर रहे हैं, वह गलत है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक चलन बन गया है कि अगर उनकी पार्टी किसी क्षेत्र में चुनाव नहीं जीत पाती है, तो वे वहां से वोट कम करवा लेते हैं। अब वे यह नया कानून ला रहे हैं - जहां हम चुनाव नहीं जीत सकते, वहां लोकसभा की सीटें कम कर दो, और जहां हम जीतते हैं, वहां सीटें बढ़ा दो। हम परिसीमन के खिलाफ हैं, जिस तरह से यह किया जा रहा है वह बहुत गलत है। इसी तरह, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट के नेता एम.ए. बेबी ने सरकार के इस रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि राज्यसभा द्वारा 1० में पारित संशोधन के आधार पर उसी संरचना का पालन किया जा सकता था।

जनसंख्या नियंत्रित करने वाले राज्यों को नुकसान पहुंचाया जा रहा

» बीजद संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विरोध करेगा: पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने राज्य के सांसदों से 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक का संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विरोध करने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि जनसंख्या को नियंत्रित करने वाले राज्यों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। एक पोस्ट में पटनायक ने कहा कि यह विधेयक राज्य के हितों को नुकसान पहुंचा सकता है और यदि इसे लागू किया गया तो लोकसभा में ओडिशा की सीटें 3.9 प्रतिशत से घटकर 3.4 प्रतिशत हो जाएंगी, जिसे उन्होंने एक महत्वपूर्ण नुकसान बताया।

पटनायक ने कहा कि संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाएं, क्योंकि यह ओडिशा की गरिमा, प्रतिनिधित्व और दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए हम सब मिलकर अपने राज्य के हितों की रक्षा करें और वास्तविक एवं न्यायसंगत सुधारों का समर्थन करते रहें। लोकसभा में ओडिशा की आवाज में सापेक्षिक कमी से आपदा प्रबंधन से लेकर आदिवासी कल्याण और क्षेत्रीय विकास तक, राज्य-विशिष्ट जरूरतों की वकालत करने की हमारी क्षमता कमजोर हो जाएगी। यह एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है-यह हमारे संविधान में निहित संघीय भावना को संरक्षित करने का मुद्दा है।

बीजेडी का महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से समर्थन

पटनायक ने स्पष्ट किया कि बीजेडी 23 के 106वें संविधान संशोधन विधेयक का महिला आरक्षण के संबंध में पूरी तरह से समर्थन करती है और उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं में महिला आरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए अपने परिवार के अथक प्रयासों का वर्णन किया। बीजेडी महिला सशक्तिकरण और विधायी निकायों में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का पूरी तरह से समर्थन करती है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का विचार प्रगतिशील और आवश्यक दोनों है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसका समर्थक रहा हूं, जैसा कि मेरे पिता स्वर्गीय बीजू पटनायक भी थे। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की शुरुआत की और मैंने आपके समर्थन से इसे आगे बढ़ाया।

जीत का खाता खोलना चाहेगी केकेआर

» गुजरात के खिलाफ एलेन की जगह सीफर्ट को मौका देगी मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आज आईपीएल का 25वां मुकाबला खेला जाएगा, जिसमें केकेआर का लक्ष्य जीत का खाता खोलना होगा। यह मैच अहमदाबाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित होगा। केकेआर ने अब तक पांच मैच खेले हैं, जिसमें चार मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में इस सीजन एकमात्र अंक पंजाब के खिलाफ बारिश के कारण रद्द हुए मैच से आया है। केकेआर को बल्लेबाजी में कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी से उम्मीदें होंगी।

गेंदबाजी में वैभव अरोड़ा और सुनील नरेन कोलकाता नाइट राइडर्स की आस होंगे। केकेआर के लिए फिन एलेन अब तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम गुजरात के खिलाफ टिम सीफर्ट को मौका देने पर विचार करती है या नहीं। केकेआर के लिए दिक्कत की बात यह भी है कि मथीशा पथिराना एनओसी मिलने के बावजूद अब तक टीम से नहीं जुड़ सके हैं और वह इस मैच में खेल नहीं पाएंगे। गुजरात टाइटंस आईपीएल के अपने अगले मैच के लिए घरेलू मैदान लौट रही है। यह टीम चार में से दो मुकाबले गंवाकर अंक तालिका में छठे स्थान पर मौजूद है। इस मुकाबले में गुजरात को बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन से खासा उम्मीदें होंगी। वहीं, गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान इस टीम को मजबूती देते हैं। गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच अब तक कुल पांच मैच खेले गए हैं, जिसमें गुजरात का पलड़ा भारी रहा है। गुजरात ने तीन मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि एक मैच केकेआर के पक्ष में रहा। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है।

अजेय चल रही पंजाब का अंक तालिका में दबदबा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब के पांच मैचों में नौ अंक हो गए हैं। अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से आरसीबी, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है। आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम सीएसके, मुंबई इंडियंस और केकेआर इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं।

पंजाब और बंगाल में छापा, विपक्ष ने खोया आपा

बंगाल में चुनाव से पहले आईटी व पंजाब में ईडी की रेड, टीएमसी और आप ने भाजपा पर किया प्रहार, बोले विपक्षी नेता- सिर्फ राजनीतिक रेड डालती है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब से लेकर बंगाल तक हुए ताबड़तोड़ छापों से सियासत ने अपना आपा खो दिया है। विपक्ष ने भाजपा की सरकार पर तीखा हमले करते हुए इसे पूरी तरह राजनैतीक बताया। आप व टीएमसी ने कहा कि वह सरकार की तानाशाही से झुकेंगे नहीं। बता दें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पंजाब के मंत्री और विधायक संजीव अरोड़ा, उनके सहयोगियों और कारोबारी साझेदारों से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली। यह तलाशी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जाँच के तहत की गई।

अधिकारियों के अनुसार, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत गुरुग्राम, चंडीगढ़, लुधियाना और जालंधर में 13 जगहों पर छापे मारे गए। तलाशी में अरोड़ा, उनके बेटे काव्य अरोड़ा, और साथ ही कारोबारी सहयोगी हेमंत सूद और चंद्रशेखर अग्रवाल के आवास और कार्यालय शामिल थे। रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह कंपनी पंजाब में बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में शामिल है। उनके बेटे वर्तमान में कंपनी के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं ईडी कंपनी के खिलाफ लगे आरोपों की जाँच कर रही है। इन आरोपों में ज़मीन के इस्तेमाल में अवैध बदलाव, शेयरों की कीमतों में हेरफेर करने के लिए बिक्री की बुकिंग को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना और धोखाधड़ी करना, संदिग्ध इनसाइडर ट्रेडिंग, और यूएई से पैसों की राउंड ट्रिपिंग (पैसों को घुमाकर वापस लाना) शामिल हैं। जाँचकर्ता उन दावों की भी जाँच कर रहे हैं कि अवैध सट्टेबाजी के संचालन से जुड़े पैसों सहित बेहिसाब पैसे को भारत में वापस लाया गया और रियल एस्टेट में निवेश किया गया।

सहयोगियों पर भी कसा शिकंजा

ईडी की रडार पर संजीव अरोड़ा के अलावा दो और बड़े नाम हैं। हेमंत सूद-फाइंडोक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक हेमंत सूद पर आरोप है कि उन्होंने संदिग्ध इनसाइडर ट्रेडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए वित्तीय लेन-देन में मदद की। चंद्रशेखर अग्रवाल- जालंधर के इस कारोबारी की जाँच हवाला नेटवर्क और अवैध सट्टेबाजी संचालनों से उनके कथित संबंधों को लेकर की जा रही है।

हवाला और शेल कंपनियों का नेटवर्क

जाँच एजेंसियों को संदेह है कि एक सोचे-समझे नेटवर्क के जरिए अवैध धन को वैध निवेश में बदला गया। इसके लिए शेल कंपनियों और वित्तीय बिचौलियों का सहारा लिया गया ताकि पैसों के असली स्रोत को छिपाया जा सके।

मोदी सरकार ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी : ढांडा

आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि तीन दिन में पंजाब में आम आदमी पार्टी के खिलाफ ईडी की ये दूसरी रेड है। अब पंजाब मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां ईडी ने रेड की है। मोदी सरकार ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी हैं। अब ये लोकतांत्रिक व्यवस्था का दिखावा भी नहीं कर रहे, तानाशाही डिक्लेयर कर दी है। पश्चिम बंगाल में जो ईडी के साथ होता है वो सही ही होता है फिर तो।

आप नेता उस मिट्टी से नहीं जो डर जाएं : भगवंत मान

मित्तल और अरोड़ा के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई के बाद नाराज मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता उस मिट्टी से नहीं बने जो डर जाएं। हमारे अधिकतर नेताओं को बिना कुछ किए भाजपा ने जेल का मुंह दिखा दिया मगर अब हम न तो भाजपा सरकार ईडी से डरते हैं और न ही सीडी से डरते हैं। हमें सीबीआई, इनकम टैक्स और अन्य एजेंसियों का कोई डर नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में भाजपा ने आगामी चुनाव की तैयारी कर दी है। इन्हें यहां 117 सीटों पर प्रत्याशी नहीं मिल रहे। इसलिए भाजपा इस तरह डर दिखाकर आप नेताओं को तोड़ने की कोशिश कर रही। कांग्रेस और अकाली दल के कई नेता भाजपा में जाकर बेदाग बन चुके हैं।

टीएमसी विधायक देबाशीष के कोलकाता के घर-दफ्तर छापेमारी

कोलकाता में चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई ने सियासी माहौल गरमा दिया है। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे इनकम टैक्स की टीम ने दक्षिण कोलकाता के मनोहरपुकुर रोड स्थित उनके घर और उनके चुनावी दफ्तर पर एक साथ छापेमारी शुरू की। फिलहाल इस कार्रवाई की वजह स्पष्ट नहीं बताई गई है।

रेड के दौरान समर्थकों ने किया हंगामा

इस छापेमारी के दौरान देबाशीष कुमार के घर के बाहर तनाव की स्थिति भी देखने को मिली। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालात को काबू में रखने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। कुल मिलाकर, चुनाव से पहले हुई इस कार्रवाई ने बंगाल की राजनीति में हलचल तेज कर दी है और आने वाले दिनों में इसका असर चुनावी माहौल पर भी देखने को मिल सकता है।

जमीन घोटाले के मामले में देबाशीष कुमार पर कार्रवाई

बताया जा रहा है कि देबाशीष कुमार हाल ही में एक जमीन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में भी रहे हैं। उन्हें कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था और उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होकर जवाब भी दिए थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या उनका कारोबारी अमित गांगोपाध्याय के साथ कोई वित्तीय लेन-देन रहा है, जिनके ठिकानों पर भी हाल में छापे पड़े थे। यह पूरी कार्रवाई ऐसे समय पर हुई है जब राशबेहारी सीट पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहां 29 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इस सीट से भाजपा ने वरिष्ठ लेखक और राजनीतिक विश्लेषक स्वपन दासगुप्ता को उम्मीदवार बनाया है।

ईरान संग अमेरिका की बात बनाने की प्रक्रिया में तेजी

» बोले ट्रंप मैं खुद पाकिस्तान जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच 21 घंटे तक चली शांतिवार्ता आखिरकार किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाई। लेकिन अब एक बार फिर नए सिरे से बातचीत का दौर शुरू हो सकता है। ट्रंप ने कहा अगर ये डील साइन होती है और ये समझौता इस्लामाबाद में होता है तो मैं भी वहां जा सकता हूं।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी मानती है कि ईरान का एनरिच यूरेनियम जमीन के बहुत गहराई में दबा हुआ है, यह पिछले साल जून में अमेरिका द्वारा ईरान के तीन बड़े परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद हुआ था। पिछले साल जून में अमेरिका और इजरायल के हमलों से पहले, माना जाता था कि ईरान के पास ६० प्रतिशत तक एनरिच लगभग ४०० किलोग्राम यूरेनियम और २०प्रतिशत तक एनरिच करीब २०० किलोग्राम यूरेनियम था, जिसे आसानी से ९० प्रतिशत हथियार-ग्रेड यूरेनियम में बदला जा सकता है। वहीं ईरान का कहना है कि वह यूरेनियम को शुद्ध (एनरिच) केवल बिजली पैदा करने के लिए कर रहा है, न कि परमाणु हथियार बनाने के लिए।

ईरान मान गया है कि वो अब न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाएगा : राष्ट्रपति ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि उनका सबसे बड़ा फोकस ईरान के परमाणु कार्यकर्म को खत्म करने पर है। ट्रंप का दावा है कि ईरान मान गया है कि वो अब न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाएगा और इसके साथ रही वो अपना यूरेनियन अमेरिका को सौंपने को तैयार है। आपको बता दें कि परमाणु प्लांट में बिजली पैदा करने या परमाणु हथियार बनाने के लिए शुद्ध किए हुए या एनरिच यूरेनियम को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है. प्राकृतिक यूरेनियम में केवल 0.7प्रतिशत -235 होता है, जिसे रिएक्टर ईंधन के लिए 3-5 प्रतिशत या हथियारों के लिए 90 प्रतिशत से अधिक तक शुद्ध (एनरिच) किया जाता है।

स्टालिन हार के डर से महिला आरक्षण व परिसीमन का विरोध कर रहे: पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। परिसीमन विधेयक को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा कि इस विधेयक से किसी भी राज्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री स्टालिन चुनाव में हार के डर से इसका विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कोयंबटूर में एक रोड शो में बोलते हुए कहा कि स्टालिन चुनाव में हार से डरे हुए हैं और मेरे द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देने में असमर्थ हैं। इसलिए वे कह रहे हैं कि परिसीमन तमिलनाडु के लिए बुरा है। पलानीस्वामी ने आगे कहा कि जब केंद्रीय मंत्री अमित शाह तमिलनाडु आए थे, तब उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया था कि राज्य पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। एनडीए स्टालिन की अपेक्षा से बेहतर तरीके से परिसीमन लागू करेगा।

हरिवंश तीसरी बार उपसभापति बने

» पीएम मोदी व नेता प्रतिपक्ष खरगे ने दी बधाई

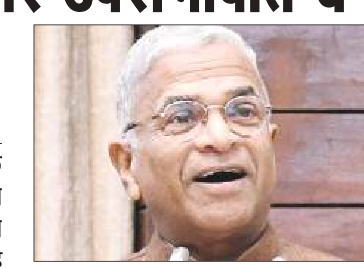

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक घटना दर्ज हुई। पहली बार किसी मनोनीत सांसद को उपसभापति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी हरिवंश नारायण सिंह को मिली है, जिन्हें हाल ही में द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरिवंश को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में तीसरी बार चुने जाने पर बधाई दी। बधाई संदेश में जेपी से लेकर चंद्रशेखर तक का जिक्र पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल जैसे निर्णयों का मुखर विरोध करने वाले बिहार के जननेता के तौर पर लोकप्रिय रहे जयप्रकाश नारायण (जेपी) का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हरिवंश जी का जन्म जेपी के गांव में हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का भी जिक्र किया।

बतौर लेखक हरिवंश के जीवन का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज उनकी जयंती के दिन तीसरे कार्यकाल के निर्विरोध चुना जाना इस अवसर को खास बनाता है। पीएम ने कहा कि पूरे सदन को आप पर गहरा विश्वास है, हरिवंश जी की कार्यशैली का सभी सम्मान करते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हरिवंश जी के लेखों में धार है और उनका सराहनीय है। हरिवंश जी सभी की बातें सुनते हैं और उनका यह नया कार्यकाल समर्पण और संतुलन से आगे बढ़ेगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पर भीषण सड़क हादसा

» थार को टेम्पो ट्रैवलर ने मारी टक्कर, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे ने हड़कंप मचा दिया। विजय नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खड़ी थार गाड़ी और बाइक सवारों को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार टेम्पो ट्रैवलर ने टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य घायल बताया जा रहा है।

यह घटना सुबह करीब 6.10 बजे विजय नगर थाना क्षेत्र में, दिल्ली से मेरठ की ओर जाने वाली मुख्य एक्सप्रेसवे लेन पर आईईपीएम कॉलेज के एग्जिट पॉइंट के पास हुई। पुलिस के अनुसार, सड़क किनारे एक थार गाड़ी खड़ी थी और उसमें सवार दो लोग एक मोटरसाइकिल सवार से बात करने के लिए बाहर निकले थे, तभी पीछे से आ रही एक टैम्पो ने उन्हें टक्कर मार दी।

थार में सवार एक व्यक्ति और मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि थार में सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। मृतकों की पहचान दीपक और प्रवीण के रूप में हुई है, जबकि तीसरे पीड़ित की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**